16.10.19 पत्रावली पेश हुई। अपीलान्ट अधिवक्ता की ओर से एक प्रार्थना पत्र इस आशय का पेश किया कि अपीलान्ट अब इस अपील में आगे कोई कार्यवाही नहीं करना चाहते व इच्छुक ~~है~~ (था का. किया गया) कि अपील को इसी स्तर पर समाप्त किया जावे। अधिवक्ता रेस्पोडेन्ट्स को एतराज है तथा प्रार्थना की गई कि इस संबंध में एक अन्य अपील इसी न्यायालय में विचाराधीन है।

उभय पक्षकारान द्वारा की गई बहस पर मनन किया गया। क्योंकि वकील अपीलान्ट्स द्वारा इस स्तर पर ही अपील को इस आधार पर समाप्त करवाने चाहते है कि अधीनस्थ न्यायालय में वादी का वाद 07 R 11 में खारिज किया जा चुका है, ऐसी स्थिति में आदेश दिनांक 27.9.18 का कोई वैधानिक अस्तित्व नहीं रहा है एवं अपील को खारिज किया जावे।

अतः न्यायहित में वकील अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार कर अपील को इसी स्तर पर, अपीलार्थी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं चाहने के कारण खारिज किया जाता है।

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	पत्रावली फैसलशुमार होकर, नम्बर से कम होकर दफ्तर दाखिल हो। SL	